साप्ताहिक
RNI. No. UPHIN/2010/36806
केशरी दर्पण
www.kesharidarpan.com
शख्सियत/प्रमुखता
www.kesharidarpan.com
सम्पादकः सुभाष चन्द
मो. 9837749557
सच्चाई सामने होगी
वर्षः16, अंकः 23 | E-mail: subhashchand4@gmail.com | बागपत, सोमवार, 15 से 21 जून 2026 | (पृष्ठः4) मूल्य 3 रुपया.

12 वर्षों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को अधिक सुलभ और किफायती बनाने के लिए काम किया

सपना कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। रविवार को प्रधानमंत्री ने कहा कि देश ने पिछले 12 वर्षों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को अधिक सुलभ और किफायती बनाने के लिए काम किया है और सरकार ऐसे सभी पहलों पर काम करती रहेगी ताकि एक स्वस्थ भारत का निर्माण हो सके। जब भारत को दुनिया के सबसे बड़े स्वास्थ्य कार्यक्रम, आयुष्मान भारत, के देश के रूप में जाना जाता है, जो सबसे कमजोर वर्गों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा प्रदान करता है।

मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, पिछले 12 वर्षों में भारत ने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को अधिक सुलभ और किफायती बनाने के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि पीएम भारतीय जन औषधि योजना जैसे अन्य प्रयासों ने दवाओं, स्टेंट और घुटने के इम्प्लांट को किफायती बनाया है और इससे कई लोगों को मदद मिली है। चिकित्सा शिक्षा भी अधिक संस्थानों और सीटों के उपलब्ध होने के कारण लोगों के लिए अधिक सुलभ हो गई है।

स्वास्थ्य सेवा की सुलभता एक राष्ट्र के लिए सबसे महत्वपूर्ण निवेशों में से एक है। पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण प्रगति की है कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा अधिक लोगों तक, अधिक कुशलता से और अधिक किफायती तरीके से पहुंचे।

आज स्वास्थ्य सेवा का पारिस्थितिकी तंत्र अधिक सुलभ, मजबूत और भविष्य के लिए तैयार है। मायगव इंडिया ने कहा कि मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली की शुरुआत अधिक डाक्टरों, बेहतर प्रशिक्षण और चिकित्सा शिक्षा तक व्यापक पहुंच से होती है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों ने भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन लाए हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवा को एक जनकेंद्रित और प्रौद्योगिकी-आधारित प्रणाली में बदल दिया गया है।

शाह ने एक पोस्ट में कहा कि सरकार की सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केंद्रित करने से स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए एक वैश्विक माडल तैयार हुआ है।

विदेशी ताकत हमारे नागरिकों को मारती सरकार नौकर की तरह आदेश मान लेती

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। ओमान तट पर जहाज में मारे गए एक सेंकेड ऑफिसर भारतीय के शव के सड़ने संबंधी एक वीडियो को दूसरे एक्स पोस्ट में साझा करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि कमप्रोमाइज्ड पीएम के राज में एक भारतीय होने का मतलब दुर्गति है।

विदेशी ताकत हमारे नागरिकों को मारती है। हमारी सरकार एक आज्ञाकारी नौकर की तरह चुप-चाप आदेश मान लेती है और हमारे नागरिक सड़ने के लिए छोड़ दिए जाते हैं। इस भारतीय को अभी घर लाइए।

मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पोस्ट में नाविकों की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि दुखद घटना के तीन दिन बीत चुके हैं पर पीएम मोदी का कोई बयान या शोक संदेश तक नहीं आया है। देश नहीं झुकने दूंगा के पीएम के बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि अब इस बात का कोई सबूत नहीं चाहिए कि आपने भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा और संप्रभुता को कमजोर किया है।

राष्ट्रीय हितों से रोज समझौता किया जा रहा है और आपमें इतनी हिम्मत है कि आप इसे विश्वगुरु की छवि के पीछे छिपाने की कोशिश करते हैं। भारत तब विश्वगुरु था, जब वह अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखता था और दुनिया हमारी बात सुनती थी।

पिछली सभी सरकारें बिना झुके इस नीति पर लगातार चलती थीं। ऐसे समय में गंभीर सवालों पर चुप्पी जवाबदेही का विकल्प नहीं हो सकती।

गैर-कानूनी हथियार रखने वालो से हथियार वापस नहीं ले लिए जाते, तब तक शांति की संभावना कम

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। मणिपुर के डीजीपी ने कहा कि जातीय हिंसा के दौरान लूटे गए हथियारों में से लगभग 70 प्रतिशत बरामद कर लिए गए हैं। बाकी हथियारों और गोला-बारूद का पता लगाने और बरामदगी की कोशिशें तेज कर दी गई हैं। चेतावनी दी कि जो कोई भी पुलिसकर्मियों और अन्य सुरक्षा बलों पर गोली चलाने या हमला करने की कोशिश करेगा, उसे गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। ऑनलाइन गुमराह करने वाली सामग्री फैलाई जा रही हैं। हमारा इंटरनेट मीडिया मॉनिटरिंग सेल की ऐसे लोगों पर नजर है।

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक गैर-कानूनी हथियार रखने वाले सभी लोगों से हथियार वापस नहीं ले लिए जाते, तब तक राज्य में शांति की संभावना कम है। 2023 में मणिपुर में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से ही गैर-कानूनी हथियारों का इस्तेमाल हो रहा है। इनमें सुरक्षा बलों से लूटे गए हथियार और अवैध रूप से खरीदे गए हथियार शामिल हैं।

केशरी दर्पण समाचार पत्र के पत्रकार बने

भारत के किसी भी जनपद, तहसील या थाना क्षेत्र में केशरी दर्पण समाचार पत्र के पत्रकार बनने के लिए संपर्क करें। आप केशरी दर्पण समाचार पत्र की वेबसाइट से भी के माध्यम से भी पत्रकार बन सकते हैं। समाचार पत्र की वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करें लॉगिन करें आप स्वयं केसरी दर्पण समाचार पत्र की वेबसाइट पर समाचार फोटो आदि भी अपलोड कर सकते हैं। सोनीपत जनपद में श्रीमती अंजू देवी पत्नि श्री कृष्ण पाल, सोनीपत मो. 9416957607

निवेदक-सुभाष चंद, संपादक, केशरी दर्पण (हिंदी साप्ताहिक) 9837749557

www.kesharidarpan.com

बागपत/बड़ौत में समाचार व विज्ञापन के लिए स्वतंत्र उपसंपादक श्री राहुल जैन (मो. 9897738788) से संपर्क करे।

तृणमूल कांग्रेस में बंगाल चुनाव की हार के बाद बिखराव की हलचल

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस में बंगाल चुनाव की हार के बाद बिखराव की हलचल रविवार को 20 लोकसभा सांसदों के टूट के साथ मुकाम पर पहुंच गई। बागियों ने टीएमसी के 28 में से 20 सांसदों के समर्थन का दावा करते हुए खुद को त्रिपुरा के अनजाने दल नेशनल सिटिजन पार्टी में शामिल होने की घोषणा करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को उन्हें मान्यता देने के लिए आवेदन दे दिया। इन बागी सांसदों ने स्पीकर से मुलाकात त्रिपुरा की एनसीपी शामिल होने के अपने फैसले की जानकारी देते हुए साफ कर दिया कि वे सदन में एक अलग गुट के तौर पर बैठना चाहते हैं। वे भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए सरकार का समर्थन भी करेंगे।

बागी सांसदों के कदमों को भांपते हुए तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा में नेता अभिषेक बनर्जी स्पीकर बिरला को पत्र भेज टीएमसी के किसी भी कथित अलग गुट या धड़े को कोई मान्यता या सुविधा नहीं देने की मांग करते हुए कहा कि ऐसा करना दल बदल विरोधी कानून ही नहीं सुप्रीम कोर्ट के फैसले और संविधान के खिलाफ होगा।

टीएमसी के बागी सांसदों की अगुवाई कर रहीं लोकसभा सांसद काकोली घोष दस्तीदार तथा सुदीप बंधोपाध्याय समेत अन्य ने देर शाम स्पीकर बिरला से उनके आवास पर जाकर मुलाकात कर एनसीपी में शामिल होने तथा अलग गुट के रूप में मान्यता देने की मांग की। स्पीकर से मुलाकात के बाद काकोली ने पत्रकारों से कहा टीएमसी से चुने गए हम 20 सांसद स्पीकर से मिले हैं और उन्हें एक पत्र सौंपकर आग्रह किया है कि हमें एक अलग गुट के तौर पर बैठने की अनुमति दी जाए। 20 सांसदों की यह संख्या टीएमसी के चुने गए सांसदों के दो तिहाई से अधिक है।

हम देश के लिए काम करेंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए के साथ मिलकर काम करेंगे। काकोली ने भले ही 20 सांसदों के साथ होने का दावा किया मगर रविवार को स्पीकर से बागी गुट की हुई मुलाकात में 19 सांसद ही मौजूद थे।ममता बनर्जी के सबसे भरोसेमंद रहे लोकसभा में पार्टी के नेता रहे सुदीप बंद्योपाध्याय ने कहा कि हम एनसीपी में शामिल हो गए है जो एक मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय पार्टी है। टीएमसी पर दावा करने के बागियों के इरादे को साफ करते हुए उन्होंने कहा कि अदालत तय करेगी कि असली तृणमूल कौन सी है। स्पीकर से मिलकर एनसीपी में शामिल होने के कागजात सौंपने से पूर्व टीएमसी के बागी सांसदों की केंद्रीय मंत्री वरिष्ठ भाजपा नेता भूपेंद्र यादव के घर लंबी बैठकों का दौर चला।

टीएमसी के बागी सांसदों के पिछले कई दिनों से भाजपा नेता केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के घर से संचालित राजनीतिक कैंप के घटनाक्रमों को देखते हुए तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल के नेता अभिषेक बनर्जी ने बागी गुट के मिलने से पहले ही स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर इन्हें मान्यता या सुविधा न देने की मांग करते हुए कहा कि दलबदल विरोधी कानून किसी मौजूदा राजनीतिक दल के भीतर अलग समूह बनाने की इजाजत नहीं देता। टीएमसी को लोकसभा में एक ही राजनीतिक दल माना जाए।

टोयोटा, सुजुकी, एमजी और हुंडई जैसे कंपनियां अगले डेढ़ महीने में 100 प्रतिशत एथेनॉल आधारित वाहन लॉन्च करेंगी

अमर बाथो/एजेंसी, नागपुर। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि उन्होंने देश की आयातित जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता को कम करने के लिए 100 प्रतिशत एथेनॉल ईंधन के इस्तेमाल को मंजूरी दी है। यह कदम वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर तेजी से बढ़ने के उद्देश्य से उठाया गया है।

नागपुर में राजग सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। एथेनॉल में पेट्रोल का व्यावहारिक विकल्प बनने की क्षमता है। इससे भारत अपने विशाल ईंधन आयात बिल को कम कर सकता है। गडकरी ने कहा कि हालांकि इस आइडिया को शुरू में संदेह और आलोचना का सामना करना पड़ा। मैं इस सपने के बारे में बात करता था और लोग हंसते थे। कुछ मित्रों ने तो इसकी आलोचना भी की।

प्रमुख ऑटोमोबाइल निर्माता आने वाले हफ्तों में एथेनाल से चलने वाले वाहन पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। टोयोटा, सुजुकी, एमजी और हुंडई जैसे कंपनियां अगले डेढ़ महीने में 100 प्रतिशत एथेनॉल आधारित वाहन लॉन्च करेंगी। पिछले सप्ताह, सरकार ने ईंधन को संगत फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए पेश किया था।

बुजुर्गों को राशन डिपो पर आंखों की पुतली स्कैन की सुविधा

अंजू देवी, सोनीपत/खरखौदा। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन लेने वाले विशेषकर बुजुर्गों को अब बड़ी राहत मिलने जा रही है। खाद्य आपूर्ति विभाग की ओर से राशन डिपो पर ऐसी मशीनें भेजी गई हैं, जिनमें आंखों की पुतली स्कैन कर पहचान सत्यापित करने की सुविधा होगी। इससे उन लाभार्थियों को फायदा मिलेगा, जिन्हें फिंगरप्रिंट न आने के कारण राशन लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।

कई मामलों में निर्धारित समय पर राशन प्राप्त करना भी चुनौती बन जाता था। विशेष रूप से उन राशन कार्डों में परेशानी अधिक सामने आती थी, जिनमें केवल बुजुर्ग दंपत्ति या वृद्ध सदस्य ही दर्ज हैं। ऐसे परिवारों के पास सत्यापन का दूसरा विकल्प नहीं होता था।

विभाग ने ऐसे मामलों को ध्यान में रखते हुए आइरिस स्कैन आधारित सुविधा शुरू करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। इसके लिए जिले के राशन डिपो के लिए 471 मशीनें भेजी गई हैं, जिनमें से 421 का वितरण कर दिया गया है।

अधिकारियों का कहना है कि शेष 50 मशीनों का वितरण भी जल्द कर दिया जाएगा। नई मशीनों के जरिए लाभार्थी की आंखों की पुतली स्कैन कर पहचान सुनिश्चित की जाएगी और इसके बाद राशन वितरण किया जाएगा। विभाग का मानना है कि इससे पात्र उपभोक्ताओं को समय पर राशन उपलब्ध कराने में आसानी होगी।

बुजुर्गों के लिए राहत की नई व्यवस्था

फिंगरप्रिंट आधारित प्रणाली में आने वाली दिक्कतों को देखते हुए विभाग ने आइरिस स्कैन तकनीक को शामिल किया है। इससे ऐसे बुजुर्ग उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी जो लंबे समय से पहचान सत्यापन में परेशानी झेल रहे थे। खासतौर पर अकेले रहने वाले बुजुर्ग दंपत्तियों के लिए यह व्यवस्था उपयोगी मानी जा रही है।

पारदर्शिता के साथ आसान होगा वितरण

विभाग के अनुसार नई मशीनों के इस्तेमाल से राशन वितरण प्रक्रिया अधिक सुगम और पारदर्शी बनेगी। सत्यापन के विकल्प बढ़ने से पात्र लाभार्थियों को उनका अधिकार समय पर मिल सकेगा और अनावश्यक परेशानी कम होगी।

जिले में 471 आइरिस स्कैन मशीनें पहुंची हैं, जिनका राशन डिपो पर वितरण शुरू कर दिया गया है। अब तक 421 का वितरण किया जा चुका है, शेष 50 मशीनें भी जल्द ही डिपो पर उपलब्ध करा दी जाएंगी। अब फिंगर प्रिंट के साथ ही आंखों की पुतली स्कैन करके भी पात्र को राशन उपलब्ध करवाया जा सकेगा।

खरखौदा में एक बुजुर्ग ने समाधान शिविर में पहुंच अपनी परेशानी बताई थी, जिसमें बेटे की मौत होने पर बहु के घर छोड़ देने से वह और उसकी पत्नी ही है, जबकि पोता पढ़ाई के लिए बाहर रहता है। ऐसे में न उसके और न उसकी पत्नी के फिंगरप्रिंट लग पा रहे हैं। जिससे उन्हें राशन ही नहीं मिल पा रहा है।

जिले में 471 राशन डिपो हैं, जिन पर अब तक राशन वितरण के दौरान पहचान के लिए मुख्य रूप से फिंगरप्रिंट आधारित व्यवस्था लागू थी, लेकिन बढ़ती उम्र के कारण कई बुजुर्गों के अंगूठे के निशान मशीन में दर्ज नहीं हो पाते थे। इसके चलते पात्र होने के बावजूद उन्हें कई बार डिपो के चक्कर लगाने पड़ते थे।

1.19 करोड़ की लागत से विकास कार्यों का शुभारंभ

अंजू देवी, सोनीपत। शनिवार को विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन ने वार्ड नंबर 11 में, 1.19 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। न्यू जीवन नगर, जीवन नगर और तारा नगर के लोगों की ओर से लंबे समय से पर्याप्त पेयजल आपूर्ति न मिलने की शिकायतें मिल रही थीं।

इस समस्या का संज्ञान लेते हुए उन्होंने निगम अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नई पेयजल पाइपलाइन बिछाने के निर्देश दिए थे। इस परियोजना पर लगभग 54 लाख रुपये की लागत आएगी, जिससे अब प्रत्येक घर तक स्वच्छ जल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

मर्यादा और विचारधारा के विपरीत कार्य पर नितिन गोस्वामी व अन्नू रानी को दायित्वों से मुक्त किया

विश्व हिंदू परिषद बागपत के जिला मंत्री नितिन गोस्वामी और दुर्गावाहिनी की प्रांत सह संयोजिका अन्नू रानी को प्रेम विवाह और संगठन की मर्यादाओं के विपरीत कार्य करने के आरोप में दायित्वों से मुक्त कर दिया है।

नितिन कुमार सिंह, बागपत। विश्व हिंदू परिषद मेरठ प्रांत की प्रांत टोली ने संगठन की मर्यादाओं और विचारधारा के विपरीत कार्य करने के आरोप में बागपत के जिला मंत्री नितिन गोस्वामी तथा दुर्गावाहिनी की प्रांत सह संयोजिका अन्नू रानी को सभी दायित्वों से मुक्त कर दिया है। संगठन ने स्पष्ट किया है कि दोनों अब विश्व हिंदू परिषद के किसी भी पद या दायित्व पर नहीं हैं तथा परिषद का नाम लेकर किसी गतिविधि में शामिल होने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

गुरुवार रात्रि नौ बजे आयोजित आभासी बैठक में यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक के बाद संगठन के पदाधिकारियों ने इंटरनेट मीडिया पर सूचना जारी कर बताया कि दोनों पदाधिकारियों को परिषद की विचारधारा और संगठनात्मक मर्यादाओं से अलग कार्य करने के कारण दायित्वों से मुक्त किया गया है। विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल के विभाग सत्संग प्रमुख विनोद खिंदौड़ा ने बताया कि नितिन गोस्वामी और अन्नू रानी ने प्रेम विवाह किया है। उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल संगठन की मर्यादाओं एवं नियमों के अनुसार कार्य करते हैं तथा इस प्रकार के अमर्यादित आचरण को संगठन में स्वीकार नहीं किया जाता।

संगठन अनुशासन सर्वोपरि है और नियमों के विपरीत कार्य करने वालों के प्रति निर्धारित प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जाती है। विश्व हिंदू परिषद मेरठ प्रांत ने बागपत के जिला मंत्री नितिन गोस्वामी और दुर्गावाहिनी की प्रांत सह संयोजिका अन्नू रानी को उनके प्रेम विवाह और संगठन की मर्यादाओं के विपरीत कार्य करने के आरोप में सभी दायित्वों से मुक्त कर दिया है।

बैठक में प्रांत अध्यक्ष सुशील जैन, प्रांत उपाध्यक्ष छाया सिंह एवं रविंद्र, प्रांत संगठन मंत्री अरुण, प्रांत मंत्री राजकुमार डूंगर, सह मंत्री अमित जिंदल, मनोज सिरोही, जितेंद्र, विभाग संगठन मंत्री अनूप, विभाग मंत्री डॉ अजय तथा जिला अध्यक्ष डॉ यशपाल शास्त्री सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कोशिश करो तैयार रहो सेवा करो

श्रीराम बाजपेयी स्काउट-गाइड एसोसिएशन

पंजीकरण संख्या- S/703/2014-दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 2014, संपूर्ण भारतवर्ष

वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ इंडिपेंडेंट स्काउट्स-गाइड्स जर्मनी से भी संबंध

प्रधान कार्यालयः निर्भय एनक्लेव, खेकड़ा (बागपत) उ.प्र. पिन-250101

Email:- subhashchand4@gmail.com, Mob- 09837749557- 7906984078

संपूर्ण भारतवर्ष में श्रीराम बाजपेयी स्काउट-गाइड एसोसिएशन ऑफ इंडिया के माध्यम से, स्काउट-गाइड प्रशिक्षण कैंप, स्पोर्ट्स एक्टिविटीज, सिलाई सेंटर हेतु संपर्क करें। स्काउट गाइड संस्थाओं NCC, NSS से जुड़े भाई-बहनो जुड़ने को प्राथमिकता।

(सुभाष चंद कश्यप, राष्ट्रीय महासचिव, श्रीराम बाजपेयी स्काउट गाइड एसोसिएशन)

भारत बना विश्व मंच पर मजबूत और आत्मनिर्भर

नितिन कुमार सिंह, बागपत। सुशासन को समर्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 140 करोड़ भारतीयों के निरंतर सेवा 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में जसवंत सिंह सैनी जी प्रभारी मंत्री जनपद बागपत संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास राज्य मंत्री द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में मीडिया संवाद किया गया उन्होंने विश्वास के ,विकास के, जन कल्याण के प्रगति के पथ के 12 वर्ष की उपलब्धियां को मीडिया के सामने प्रस्तुत कियौ।

सरकार की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। बीते 12 वर्षों में देश ने विकास, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन देखा है।संचालित योजनाओं का सबसे बड़ा लाभ उत्तर प्रदेश सहित देश के करोड़ों जरूरतमंद नागरिकों तक पहुंचा है।

इस अवसर पर विधायक छपरौली अजय कुमार, विधायक बागपत योगेश धामा, जिला अध्यक्ष भाजपा नीरज कुमार शर्मा, जिला अधिकारी अस्मिता लाल, पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ,मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक तीरथ लाल जिला परियोजना निदेशक राहुल वर्मा, भाजपा मीडिया प्रभारी पवन शर्मा, जिला मंत्री सुंदर धामा, भाजपा किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुनील मेवला, योगेश गुर्जर सहित सम्मानित अधिकारीगण मीडिया बन्धु उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और उत्तर प्रदेश में हुए व्यापक बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत तथा 09 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने वैश्विक मंच पर अपनी शक्ति, सामर्थ्य और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया है। मीडिया संवाद में जनपद के प्रभारी मंत्री जी ने कहा कि हम सभी एक विशेष अवसर पर एकत्र हुए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों की उस विकास यात्रा पर चर्चा करने के लिए उपस्थित हैं, जिसने देश की तस्वीर और तकदीर दोनों बदलने का कार्य किया है। इन 12 वर्षों की सबसे बड़ी ताकत देश की जनता का अटूट विश्वास और सरकार का सेवा भाव रहा है।

देश की जनता ने नरेंद्र मोदी जी पर विश्वास जताया, सबसे पहले पीएम किसान सम्मान निधि की फाइल पर हस्ताक्षर किए, जो यह दर्शाता है कि इस सरकार की प्राथमिकता गरीब, किसान, युवा और महिलाएं हैं। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास केवल नारा नहीं बल्कि जन आंदोलन बन चुका है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक योजना का शत-प्रतिशत लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे।

टोल प्लाजा के कर्मचारी द्वारा वाहन चालकों के साथ अभद्रता करना आम बात

नितिन कुमार सिंह, बागपत। दिल्ली अक्षरधाम-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर पर टोल के विवाद में प्लाजा के इंचार्ज ने वाहन चालक को ठोकने की धमकी दी। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ। पुलिस ने टोल इंचार्ज समेत दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया। मुजफ्फरनगर के ग्राम दुधली निवासी हरिओम कुछ लोगों के साथ सप्ताह पूर्व कार से दिल्ली की ओर जा रहे थे। काठा टोल प्लाजा पर पहुंचने पर टोल को लेकर उनका टोल कर्मी से विवाद हो गया था।

टोल प्लाजा के इंचार्ज और कार सवारों के बीच कहासुनी हो गई थी। इस दौरान टोल इंचार्ज ने ठोकने तक की धमकी दी थी। इसी दौरान मोबाइल से वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित किया गया। कार सवार हरिओम ने कोतवाली में शिकायत की।

कोतवाली प्रभारी बृजेश कुमार का कहना है कि आरोपित टोल प्लाजा के इंचार्ज राजवीर सिंह व कर्मचारी अनुज कुमार को गिरफ्तार कर शांतिभंग में चालान किया गया है।

उधर टोल प्लाजा मैनेजर अंकित धामा का कहना है कि कार पर लगा फास्टैग खराब हो रहा था। कार सवार नियमानुसार टोल नहीं दे रहे थे। इसी को लेकर टोल इंचार्ज राजवीर सिंह से कार सवारों का विवाद हो गया था, जिसमें सुलह-समझौता भी हो गया था।

डाल्टनगंज स्टेशन समेत देश के 7500 रेलवे स्टेशनों की होगी फाय

टोल प्लाजा के कर्मचारी द्वारा वाहन चालकों के साथ अभद्रता करना आम बात हो गई है। प्रधानमंत्री के संबंध में भी अशोभनीय भाषा का प्रयोग किया। इसका वीडियो प्रसारित हो रहा है।

भाजपा ने गरीबो को हमेशा धोखा दिया, गरीबो के आरक्षण में दबंगो को शामिल कर गरीबो का पिछले 26 वर्षो से मार दिया, आओ बागपत लोकसभा को भाजपा मुक्त करे

बागपत लोकसभा की जनता जनार्दन आशीर्वाद दे तो एक बार फिर 2029 में निर्दलीय चुनाव लड़ूंगा

निवेदक-
सुभाष चंद कश्यप
पूर्व सांसद प्रत्याशी बागपत लोकसभा 2014 निर्दलीय, 7906984078
पूर्व जिला पंचायत प्रत्याशी वार्ड नंबर 11 जनपद बागपत-2015
राष्ट्रीय महासचिव श्रीराम बाजपेई स्काउट गाइड एसोसिएशन ऑफ इंडिया
पता- कस्बा खेकड़ा जनपद बागपत उत्तर प्रदेश -250101

सम्पादकीय.....

कदाचार पर सजा सुनाए जाने के संबंध में महत्वपूर्ण सुप्रीम फैसला

स्वागत योग्य कदम, सुप्रीम कोर्ट ने नौकरी के दौरान मिसकंडक्ट यानी कदाचार पर सजा सुनाए जाने के संबंध में जो महत्वपूर्ण फैसला दिया वह स्वागत योग्य है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नौकरी से बर्खास्तगी सबसे कड़ी सजा है। इसलिए बर्खास्तगी का कदम सिर्फ उन्हीं मामलों में उठाया जाना चाहिए जहां दुर्व्यवहार बहुत गंभीर हो और किसी तरह की नरमी या सहानुभूति दिखाना गलत या अनुचित हो। जांच के दौरान निलंबन की अवधि को नौकरी से बर्खास्तगी के अलावा दूसरी सजा के तौर पर नहीं लगाया जा सकता। नौकरी से बर्खास्तगी को आम तौर पर तब सही माना जाता है, जब गलत व्यवहार इतना गंभीर हो कि कर्मचारी का बने रहना अनुशासन, भरोसे, या संस्थान के कामकाज के बिल्कुल खिलाफ हो।

अगर गलत व्यवहार में भ्रष्टाचार अनैतिक आचरण, गबन या नियोक्ता को साबित नुकसान शामिल नहीं है, और कर्मचारी का सेवाकाल बिना किसी बड़े दाग-धब्बे के लंबा रहा है तो अनुशासनात्मक अधिकारी को सावधानी से यह देखना चाहिए कि क्या कोई हल्की सजा देने से न्याय का मकसद पूरा हो सकता है। न्यायमूर्ति संजय करोल और एन. कोटीश्वर सिंह की पीठ ने 11 जून के अपने एक फैसले में महाराष्ट्र की बिजली वितरण कंपनी की एक महिला कर्मचारी को नौकरी से बर्खास्त करने के आदेश को सही ठहराने वाले बॉम्बे हाई कोर्ट का फैसला खारिज कर दिया। नौकरी से निकालना सबसे कठोर सजा में से है इसलिए अनुशासनात्मक अधिकारी को संबंधित चीजों जैसे कदाचार की प्रकृति और गंभीरता, लंबी सेवा रिकॉर्ड, उम्र, कंपनी को कोई आर्थिक नुकसान न होना, आदि पर विचार करने के बाद सजा देनी चाहिए।

सजा देने से पहले अनुशासनात्मक अधिकारी ने सजा से जुड़े जरूरी पहलुओं पर विचार नहीं किया। कोर्ट ने दुर्व्यवहार के निष्कर्ष को बरकरार रखा है। नोटिस लेबर कोर्ट की शिकायत में मिली जानकारी के आधार पर होगा और इसमें दुर्व्यवहार की गंभीरता को देखते हुए नौकरी से निकालने के अलावा किसी अन्य सजा का प्रस्ताव होगा। इसके बाद सक्षम अधिकारी आठ सप्ताह के अंदर सजा के बारे में तर्कपूर्ण आदेश जारी करेगा। इतना ही नहीं सक्षम अधिकारी निलंबन के दौरान निर्वाह भत्ते के दावे पर भी फैसला लेगा जैसा की इस आदेश में बताया गया है। कोर्ट ने कहा कि 3 मार्च 2007 से 12 जुलाई 2017 तक की अवधि के लिए अपीलकर्ता निर्वाह भत्ता पाने की अधिकारी है। यह राशि अपीलकर्ता को दी जाएगी चाहें उसे कोई भी सजा क्यों न दी जाए।

विधुत विभाग, लाइन हटाने के लिए खर्च क्यों मांग रहा ? मंजू कश्यप

लोकेश, गाजियाबाद। महिला किसान मंजू कश्यप पति रवि कश्यप ग्राम दुहाई जिला गाजियाबाद के ने बताया कि मतस्य विभाग का एक जलाशय नियमानुसार 2025 में आवंटित किया गया। जो ग्राम सोंदा मोदीनगर तहसील में आता है। जलाशय का 2 वर्ष का किराया भी वह जमा कर चुकी है परंतु बिजली विभाग का ट्रांसफार्मर अभी भी जलाशय के अंदर ही रखा हुआ है जिसकी वजह से जलाशय में मछली पालन करने में असमर्थ है। जलाशय से 11 हजार विधुत लाइन हटाने के लिए मतस्य विभाग व जनपद के अधिकारियो को भी प्रार्थना पत्र दे चुकी है परंतु मतस्य विभाग समस्या का समाधान नहीं करा पा रहा।

अब लखनऊ में मुख्यमंत्री जनता दर्शन में भी प्रार्थना पत्र के माध्यम से अपनी बात रखी है। आदेश होने पर पश्चिमांचल विधुत विभाग द्वारा संपर्क कर कहा कि ट्रांसफार्मर हटाने के लिए जो खर्च आएगा वह कौन देगा। महिला किसान मंजू कश्यप ने बताया कि मिली जानकारी के अनुसार मतस्य विभाग की बिना अनुमति के विधुत विभाग ने जलाशय के अंदर ट्रांसफार्मर रखा है। विधुत विभाग, लाइन हटाने के लिए खर्च क्यों मांग रहा है?

मंजू कश्यप ने बताया कि इस जलाशय का भी पैसा सरकार को वह लगातार दे रही है। ट्रांसफार्मर जलाशय में रखा होने की वजह से इस जलाशय की नीलामी लगभग 20 वर्षों से कोई नहीं छूटा रहा था जिससे सरकार को भी काफी नुकसान हो रहा था। विधुत विभाग, मतस्य विभाग, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी गाज़ियाबाद को भी इस मामले की सारी जानकारी है। तत्काल ट्रांसफर को जलाशय से हटवाया जाये जिससे वह मछली पालन कर जलाशय का पैसा सरकार को दे सके।

विधुत विभाग से फ़ोन पर जानकारी मिली कि मतस्य विभाग ने उनसे कोई संपर्क नहीं किया। जेई व अन्य बड़े अधिकारियो ने फ़ोन रिसीव नहीं किया।

पुलिस जल्दी मुक़दमे वापस ले निर्दौषो को जेल से बहार निकाले

नितिन कुमार सिंह, बागपत। शुक्रवार को ग्राम भौराकला जनपद मुजफ्फरनगर मे आवेश व आशीष के साथ पुलिस प्रशासन के द्वारा अमानवीय व्यवहार कर शनिवार को जेल भेजने को लेकर बागपत जनपद में भी हलचल है। महर्षि कश्यप संगठन एकता के जिलाध्यक्ष डॉ चंचल कश्यप ने अपने गांव इब्राहिमपुर माजरा में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मुजफ्फरनगर पुलिस की निंदा की कहा कि पुलिस प्रशासन ने उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली कहावत सही साबित करदी।

उन्होंने पुलिस से निवेदन करते हुए कहा कि जो गलत तरीके से गंभीर धाराओ में मुकदमे कश्यप समाज के लोगो पर किये वो सही नहीं है। ज्यादा गलती पुलिस अधिकारियो की है। उन्होंने ही शुरुवात की और मुक़दमे निर्दोष कश्यप लोगो पर कर दिए। पुलिस जल्दी मुक़दमे वापस ले निर्दोषो को जेल से बहार निकाले। अन्यथा बागपत जनपद में भी जिला पंचायत की जाएगी।

केशरी दर्पण समाचार पत्र के ऑनलाइन पत्रकार बने।
www.kesharidarpan.com
पर रजिस्टर/लॉगिन करे।
सम्पादक सुभाष चंद
9837749557

भौराकलां थाना क्षेत्र में महापंचायत, पुलिस और कश्यप समाज के दो युवकों के बीच विवाद के बाद तनाव कम नहीं

राजीव कश्यप, मुजफ्फरनगर/बुढ़ाना। भौराकलां थाना क्षेत्र में पुलिस और कश्यप समाज के दो युवकों के बीच हुए तीखे विवाद के बाद पैदा हुआ तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। पुलिस द्वारा की गई एकतरफा कार्रवाई और युवकों को जेल भेजे जाने से नाराज कश्यप समाज के लोगों ने शनिवार को भौराकलां में एक विशाल महापंचायत का आयोजन किया। पंचायत में उमड़ी भारी भीड़ और समाज के लोगों में व्याप्त तीखे आक्रोश को देखते हुए पुलिस-प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और समाज के लोगों को शांत कराया। अधिकारियों द्वारा निष्पक्ष जांच और कार्रवाई का ठोस भरोसा दिए जाने के बाद कश्यप समाज ने अपने आंदोलन को चार दिन के लिए स्थगित कर प्रशासन को कड़ा अल्टीमेटम भी थमाया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को भौराकलां थाना क्षेत्र में स्थानीय पुलिस द्वारा एक चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान खेत से घास लेकर लौट रहे कश्यप समाज के दो युवकों से रास्ता खाली करने को कहा गया, जिस पर पुलिसकर्मियों और युवकों के बीच तीखी बहस हो गई। आरोप है कि कहासुनी के दौरान दोनों पक्षों में हाथापाई हो गई, जिसमें एक पुलिसकर्मी की वर्दी फट गई। इसके बाद पुलिस ने कड़ा रुख अपनाते हुए दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया और उनके खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, मारपीट करने तथा अभद्रता सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया था। कश्यप समाज के लोग थाने पहुंच समझौते का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं बन सकी, जिसने बड़ी महापंचायत का रूप ले लिया।

पुलिसिया कार्रवाई के विरोध में शनिवार सुबह भौराकलां में बुलाई गई कश्यप समाज की महापंचायत में क्षेत्र के सैकड़ों लोग जुटे और पुलिस की कार्यशैली पर जमकर रोष जताया। जब समाज के नेता आगे के उग्र आंदोलन की रणनीति तैयार कर रहे थे, तभी स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए एसपी देहात अक्षय संजय महाडीक अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने कश्यप समाज के प्रतिनिधियों और खाप चौधरियों से अत्यंत सौहार्दपूर्ण व गंभीर माहौल में वार्ता की।

एसपी देहात ने कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराई जाएगी, किसी भी निर्दोष के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। प्रशासनिक अधिकारियों के इस लिखित व मौखिक आश्वासन के बाद समाज के प्रमुख लोगों ने फिलहाल अपने आंदोलन को टालने का निर्णय लिया। कश्यप समाज के प्रतिनिधियों ने दो टूक शब्दों में स्पष्ट किया है कि उन्होंने प्रशासन को केवल चार दिन का समय दिया है। यदि इस निर्धारित अवधि में उनकी मांगों पर उचित और न्यायसंगत कार्रवाई नहीं हुई, तो वे एक बड़ी रणनीति बनाकर फिर से जिलाव्यापी बड़ा आंदोलन शुरू करने के लिए विवश होंगे।

महापंचायत में ये प्रमुख लोग रहे मौजूद इस महापंचायत में मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी नेता व एमएलसी किरणपाल कश्यप, पूर्व मंत्री मांगेराम कश्यप, बुढ़ाना खाप चौधरी डॉ. सोनू कश्यप, महर्षि कश्यप एकता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर सुशील कश्यप, राकेश कश्यप, ओमपाल कश्यप, सचिन कश्यप, अमित कश्यप, और मास्टर नीटू कश्यप सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग एवं ग्रामीण मौजूद रहे। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने एहतियातन सतर्कता और गश्त बढ़ा दी है।

पुलिस द्वारा थाने लेजाकर रातभर पिटाई कर रातो रात गंभीर धाराओं में मुकदमा लिख जेल भेजना ये पांच किलो अनाज लेने का नतीजा: किरणपाल कश्यप

राजीव कश्यप, मुजफ्फरनगर/बुढ़ाना। समाजवादी पार्टी नेता व एमएलसी किरणपाल कश्यप ने एसपी देहात की मौजूदगी में, महापंचायत को सम्बोधित कर मौजूदा सरकार पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि पुलिस द्वारा बच्चो व महिलाओ को प्रताड़ित करना बेज्जत करना, मोके व पुलिस स्टेशन में जमकर पिटाई कर गंभीर धाराओं में मुकदमा लिख रातो रात जेल भेज देना ये पांच किलो अनाज लेने का नतीजा है। लगातार महंगाई बढाकर सरकार गरीबी नहीं गरीबो को ही समाप्त कर रही है। जिस दिन पांच किलो अनाज लेना बंद करदोगे। सरकार की अकाल ठिकाने आ जाएगी।

उन्होंने सीओ साहब से महापंचात में कहा कि माया त्यागी कांड में वो 6 महीने तक जेल में रहे। 17 बार वो जेल में गए। सीओ साहब के सामने घटना का जिक्र करते हुए कहा कि घटना हुई है। कल दिन भर एसएचओ साहब ने फोन भी नहीं उठाया। बच्चो ने केवल पुलिस अधिकारियो से इतना कहा कि इनोवा गाड़ी निकलवाड़ी हमारा ठेला भी निकलवादो। कुछ देर बाद फिर यही निवेदन किया लेकिन पुलिस अधिकारियो ने गरीब का ठेला नहीं निकलवाया। उन्होंने बैंक सीसीटीवी फुटेज निकलवा सही जाँच करने की मांग करते हुए कहा कि सीसीटीवी फुटेज में देखा जाये पहले किसने रहपट मरने शुरू किये। महिलाओ के साथ बदतमीजी किसने और क्यों की। फिर थाने लेजाकर रातभर थाने में पिटाई की और सुबह ही जेल भी भेज दिए। उन्होंने तीन डॉक्टर के पैनल से मेडिकल करने की मांग की।

नोटः पत्र में छपे लेख, लेखकों के निजी विचार है, सम्पादक का इनसे सहमत होना अनिवार्य नहीं है। आप स्वयं जांच करें। किसी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र बागपत होगा।

RNI. No. UPHIN/2010/36806, मालिक, मुद्रक, प्रकाशक सुभाष चन्द ने इण्डियन प्रेस, राजेन्द्र नगर, मेरठ से छपवाकर कार्यालय ग्राम वाजिदपुर, पोस्ट तहसील बडौत, जिला बागपत से प्रकाशित किया। सम्पादकः सुभाष चन्द, मो. 9837749557, प्रबन्धक सम्पादकः राजवीर सिंह , (किसी भी विवाद के लिए बागपत न्यायालय मान्य)